मुरकी उर्फ बुलाकी — अमृता प्रीतम

(1) 'माँ! मुरकी का ब्याह कब हुआ था?'- कुमार ने अपनी माँ से पूछा। माँ और कुमार में हुई वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

कुमार : माँ! मुरकी का ब्याह कब हुआ था?
माँ : उसका भी ब्याह हुआ था, बेटा।

.....

(2) घर के नौकर ने अपनी बेटी को राजवंती के घर ले आना चाहा। उस संबंध में राजवंती और नौकर के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

नौकर : अम्मा जी, ज़रा मेरा बात सुनिए।
राजवंती : तुम बताओ।

.....

(3) मुरकी की शादी पक्की थी। इस संबंध में मुरकी और पिता के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखे।

पिता : मुरकी, अरे मुरकी....
मुरकी : हाँ पिताजी, मैं आती हुँ।

.....

(4) मुरकी के पिताजी ने अपने गाँव में कहीं मुरकी का रिश्ता कर दिया। शादी के बारे में कहने केलिए पिताजी राजवंती के यहाँ आते हैं। राजवंती माँ और मुरकी के पिताजी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

माँ : (दरवाज़ा खोलकर) अरे, कौन हैं?
पिताजी : जी, मैं हुँ। मुरकी के पिताजी.....

.....

(5) पिताजी ने मुरकी की शादी पक्की। लेकिन मुरकी उस शादी नहीं चाहा। वह अपनी उस दिन की डायरी में क्या लिखा होगा? कल्पना करके लिखें।

बुधवार	***10-5-2015***
कई दिन के बाद आज पिताजी आए। उन्हें देखकर मैं खुश हुई। लेकिन	

(6) शादी की बात सुनकर मुरकी किसी शहरी लड़के के साथ भाग जाते हैं। घबर सुनकर राजवंती को वहुत दुःख हुआ। उस दिन की डायरी में वह मुरकी के बारे में भी लिखते हैं। नीचे दिए बिंदुओं के आधार पर डायरी का वह पन्ना तैयार करें।

सहायक बिंदु:

- मुरकी, घर में आना।
- अपने बेटे को जान से खिलाना।
- किसी अधेड़ आदमी से विवाह।
- शहरी लड़के से भागना।
- मुरकी के भविष्य के प्रति अपनी आशंका।

(7) अपनी शादी की बात सुनते ही मुरकी किसी शहरी लड़के के साथ भाग गई। कुछ दिन के बाद वह राजवंती माँ को टेलिफोन करती हैं। उन दोनों के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें।

(टेलिफोन बजने की धुन।)

राजवंती : हलो....हलो....कौन है?
मुकरी : माँ, यह मुरकी है।

DO NOT COPY

.....

(8) शहरी लड़के साथ भाग जाने से लेकर पति द्वारा उपेक्षित होने तक की घटनाएँ मुरकी का आत्मकथांश के रूप में लिखें।

शादी की बात सुनकर बहुत दुःखी हुआ। एक अधेड़ उम्र का आदमी, दूजा भी था।.....

(9) पति द्वारा सराय में उपेक्षित मुरकी की मुलाकात किसी दयालु आदमी से होती हैं। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

मुरकी : जी, कोई है बाहर। ज़रा दरवाज़ा खोलिए।

आदमी : हाँ.....

.....

(10)पति द्वारा उपेक्षित मुरकी किसी तरफ़ राजवंती के यहाँ पहुँचते हैं। राजवंती उसे अपने घर में आश्रय देती है और एक कमरा का चाबी भी देती हैं। मुरकी का उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

गुरुवार ***11-5-2015***

सबेरे उठें तो सराय में मैं अकेली थी। पति को न देखा। सोचा प्रभात कर्म केलिए.....

(11)पति द्वारा उपेक्षित मुरकी किसी दयालु आदमी से भाड़ा लेकर राजवंती के यहाँ पहुँचती हैं। मुरकी और राजवंती के बीच का संभावित वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

मुरकी : माँ....माँ....

राजवंती : (दरवाज़ा खोलते हुए) हाय.. मुरकी! क्यों अकेले?

.....

(12) पति द्वारा उपेक्षित मुरकी को राजवंती अपने यहाँ आश्रय देती हैं। संकेतों के आधार पर मुरकी का आत्मकथांश लिखें।

सहायक संकेत:

- *पति द्वारा उपेक्षित करना।*
- *राजवंती के यहाँ आश्रय मिलना।*
- *राजवंती द्वारा कोठरी की चाबी पकड़ा जाना।*
- *जीवन भर चाबी न छीनने का वादा करना।*

माता की मृत्यु के बाद कुछ दिन चाचाजी के यहाँ.... फिर पिताजी ने मुझे यहाँ लाया। वास्तव में मुझे.....

(13)मुरकी की मृत्यु के बाद उसकी सारी कथा सुनकर कुमार अपनी डायरी में लिखते है। डायरी का वह पन्ना कल्पना करके लिखें।

शुक्रवार ***20-7-2015***

आज मुरकी की मृत्यु हुई। मुरकी से हमारा संबंध क्या है? यह आज तक .....

****

DO NOT COPY